Impact of digital education on B.Ed students

डिजिटल एजुकेशन का बी.एड के विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

Indra Kumar Jaiswal
Assistant Professor
ABC College of Education
Neora Patna

इन्द्र कुमार जायसवाल
सहायक प्राध्यापक
ए. बी.सी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन
नेउरा पटना

सारांश

डिजिटल एजुकेशन का बी.एड के विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन उन शिक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है जो वर्तमान समय में डिजिटल एजुकेशन में शामिल हो रहे हैं। यह अध्ययन विभिन्न एड्युकेशनल एप्लिकेशंस और प्लेटफॉर्म के उपयोग से आधारित है।

इस अध्ययन में, हमने डिजिटल शिक्षा के महत्व को जानने का प्रयास किया है और इसका बी.एड छात्रों के सीखने पर क्या प्रभाव होता है उसे देखा है। हमने इस अध्ययन में विभिन्न संदर्भों से जुड़े पूर्ववतन शोधों को भी देखा है और उनसे भी संबंधित जानकारियों को सम्मिलित किया है।

इस अध्ययन से पता चलता है कि डिजिटल एजुकेशन अधिकतर छात्रों के सीखने को बढ़ावा देता है। डिजिटल एजुकेशन छात्रों को विभिन्न प्लेटफार्मों, अनुप्रयोगों और उपकरणों के जरिए शिक्षा प्रदान करता है जो उनके सीखने को अधिक सुगम बनाते हैं।

इस अध्ययन से यह भी ज्ञात हुवा है की डिजिटल एजुकेशन की विभिन्न प्लेटफॉर्म और ऐप्स का उपयोग करने से विद्यार्थियों के शैक्षणिक उन्नयन पर अच्छा प्रभाव पता है। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि डिजिटल एजुकेशन के उपयोग से विद्यार्थियों के समझ में काफी सुधर हुवा है, और वे अधिक सक्रिय हुवे है

प्रस्तावना

डिजिटल लर्निंग

डिजिटल लर्निंग एक प्रकार की शिक्षण प्रक्रिया है जिसमें इंटरनेट, वेबसाइट, सॉफ्टवेयर, डिजिटल मीडिया और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके शिक्षा दी जाती है। इसमें विद्यार्थियों को ऑनलाइन वीडियो, ऑडियो, टेक्स्ट और ग्राफिक्स के माध्यम से पढ़ाया जाता है।

डिजिटल लर्निंग शिक्षा को ऑनलाइन और फ्लेक्सिबल बनाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने समय के अनुसार अपनी अध्ययन योजना को अच्छी तरह से संचालित करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, डिजिटल लर्निंग इन्हें साझा करने और सहयोग करने की सुविधा भी देता है जो उन्हें अन्य विद्यार्थियों और अध्यापकों से संपर्क में लाता है।

डिजिटल लर्निंग के अन्य उपयोग शिक्षकों को समर्थन करने के लिए भी होते हैं। वे इंटरेक्टिव ऑनलाइन कक्षाएं और स्कूल प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।

डिजिटल लर्निंग पर प्रभाव

डिजिटल लर्निंग हमारे शिक्षण और उच्च शिक्षण संस्थानों पर अनुकूल प्रभाव डाल रहा है। इसके माध्यम से छात्रों को अधिक सक्रिय बनाया जा सकता है, उन्हें संदर्भ सामग्री देखने और समझने के लिए विद्यालय नहीं जाना पड़ता है और संचार के जरिए उन्हें विभिन्न भौतिक रूपों को सीखने का अवसर मिलता है।

यह उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए कई लाभ प्रदान करता है, जैसे कि छात्रों की संख्या में वृद्धि, समय और संसाधनों के बचत, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए अधिक उपयुक्त सामग्री का उपलब्ध कराना, सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना और संसाधनों को अधिक उपयोगी बनाना।

डिजिटल लर्निंग उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में भी फायदेमंद हो सकता है, जैसे कि व्यवसाय, इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक अनुसंधान और संस्थानों के लिए अधिक उपयुक्त सामग्री प्रदान करना। इसके अलावा, डिजिटल लर्निंग स्वयं उच्च शिक्षण संस्थान की तरह काम करता है जिससे संपर्क, सुविधाजनक शिक्षा एवं संसाधनों की उपलब्धता में काफी आसानी हुवी है ।

1. संपर्क: डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों को अधिक संपर्क करने का मौका मिलता है। ऑनलाइन शिक्षा विषय में शिक्षक और छात्रों के बीच संचार को बढ़ाता है और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाता है।
2. सुविधाजनक: डिजिटल शिक्षा छात्रों को घर से ही शिक्षा का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान करती है। इसके साथ ही, इससे छात्रों के लिए समय भी बचता है जो उन्हें अन्य गतिविधियों में शामिल होने में मदद करता है।
3. संसाधनों की उपलब्धता: डिजिटल शिक्षा उच्च शिक्षण संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाती है। शिक्षक और छात्रों को ऑनलाइन पुस्तकालय, ई-बुक, वीडियो लेक्चर्स, और अन्य संसाधनों तक पहुंच मिलती है।

भारत में डिजिटल शिक्षा

भारत सरकार ने डिजिटल क्रांति लाने हेतु वर्ष 2015 में डिजिटल इंडिया मिशन की शुरुआत कर अन्य क्षेत्रों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अभिनव खोजों, गतिविधियों एवं क्रिया-कलापों को बढ़ावा दिया है जिससे शिक्षक ऑनलाइन माध्यम(नोट्स, परिचर्चा, ब्लॉग, ई-शोध पत्र, ई-कक्षा, ई-बुक, ई-कंटेंट, कांफ्रेंसिंग एवं ऑडियो-वीडियो आदि) से अपने विचारों एवं स्तरीय नवीन विषय-वस्तु को विद्यार्थियों तक पहुँचा पा रहे हैं तथा स्वयं भी ई-प्रशिक्षण प्राप्त करके शिक्षण-अधिगम के नए-नए तरीकों से परिचित हो रहे हैं। विभिन्न प्रकार के गेम्स एवं एप्लीकेशंस आदि के द्वारा सीखने से बच्चों की बोध एवं परावर्ती क्षमता बढ़ रही है। इधर वर्ष 2019 के बाद से जब से समाज कोरोना महामारी से जूझ रहा है तब से तो ऑनलाइन शिक्षा के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। चाहे-अनचाहे समाज का हर एक व्यक्ति इससे परिचित हो गया है। लॉकडाउन की अवधि में यदि यह माध्यम नहीं होता तो निश्चित रूप से करोड़ों विद्यार्थी शिक्षा से वंचित हो जाते, उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट जाती। यूनेस्को रिपोर्ट-2020 (श्रीवास्तव एवं दवे, 2021) के आँकड़े बताते हैं कि- "191 देशों के लगभग 157 करोड़ तथा भारत में लगभग 32 करोड़ विद्यार्थियों की शिक्षा अचानक स्कूल, कॉलेज एवं विश्विद्यालय बंद होने से प्रभावित हुई थी।" कोविड-19 काल में ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने में स्काइप, व्हाट्सएप, यूट्यूब, फेसबुक, गूगल मीट, गूगल क्लास, जूम एवं माइक्रोसॉफ्ट टीम जैसे अनेकों प्लेटफार्मस् ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनुअल स्टेटस ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट (ASAR-2021) से भी स्पष्ट होता है कि- "वर्ष 2018 में जहाँ 36.5 प्रतिशत बच्चों के पास मोबाइल था वहीं वर्ष 2020 में यह प्रतिशत बढ़कर 61. 8 फीसदी तथा वर्ष 2021 में 67.6 फीसदी हो गया।"

शिक्षा के क्षेत्र में आया बदलाव

इसके अलावा डिजिटल टेक्नोलॉजी ने उच्च शिक्षा में शोध करने के तरीके को बदला है. आज इंटरनेट के जरिए बड़ी मात्रा में जानकारी और डेटा तक आसानी से पहुंचा जा सकता है. आज शोधकर्ता दुनिया भर के लोगों तक अपने शोध को बेहद आसानी से और अलग-अलग भाषाओं में पंहुचा सकता है. उच्च शिक्षा पर डिजिटल तकनीक का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है, इससे शिक्षा

के क्षेत्र में क्रांति ला दी है. प्रो. रवि कांत की मानें तो डिजिटल तकनीक सीखने के अनुभव को बढ़ाती है. साथ ही संसाधनों तक पहुंच भी इसके जरिए बढ़ी है. इसके माध्यम से शिक्षा प्रणाली की ओवरऑल एफिशिएंसी में काफी सुधार हुआ है

बी.एड छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षा का उद्देश्य

शैक्षणिक विषयों के लिए विभिन्न डिजिटल संसाधनों का उपयोग करना: बी.एड छात्रों को डिजिटल संसाधनों के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक विषयों को समझाने का अवसर मिलता है। उन्हें उचित संसाधनों का चयन करना और उन्हें अपनी शैक्षणिक ज्ञान को संवारने के लिए इस्तेमाल करना सिखाया जाता है।

1. शैक्षणिक स्किलों के विकास: डिजिटल शिक्षा बी.एड छात्रों को न केवल अधिक संसाधनों और जानकारी के साथ सम्पन्न करती है, बल्कि उन्हें डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने के लिए शैक्षणिक स्किलों का विकास भी कराती है। उन्हें उचित तरीकों से विभिन्न डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना सिखाया जाता है।

शिक्षा के क्षेत्र में बी.एड छात्रों का महत्व

शिक्षा के क्षेत्र में बी.एड छात्रों का महत्व बहुत ही अधिक होता है क्योंकि वे शिक्षक बनने की तैयारी करते हैं और आगे आने वाली पीढ़ियों को सही तरीके से पढ़ाने में मदद करते हैं। ये छात्र अधिकतर उस अवसर के साथ शिक्षा संस्थान में अध्ययन करते हैं, जो उन्हें संबंधित विषयों में विस्तृत ज्ञान प्रदान करता है।

आज के समय में, डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो बी.एड छात्रों के सीखने को बदल सकता है। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से, बी.एड छात्रों को विभिन्न विषयों की गहराई से ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्हें संबंधित विषयों में वीडियो, ऑडियो, फोटो और अन्य संसाधनों के माध्यम से शिक्षण प्रदान किया जाता है।

बी.एड छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षा न केवल उनके सीखने को प्रभावित करती है, बल्कि उनके जुड़ाव और समग्र विकास को भी संभव बनाती है। डिजिटल शिक्षा छात्रों को न केवल नई तकनीकों और उपकरणों का ज्ञान देती है, बल्कि वे अपनी शिक्षण कौशलों में भी सुधार कर सकते हैं।

डिजिटल शिक्षा के माध्यम से, बी.एड छात्रों को उनकी शिक्षण की अधिक समझ और संवेदनशीलता दोनों को बढ़ाने का मौका मिलता है। छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म जैसे वेबसाइट, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब वीडियो आदि का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा, वे अनुभव प्राप्त कर सकते हैं जब वे विभिन्न डिजिटल शिक्षा उपकरणों को उपयोग करते हैं जैसे कि वीडियो कन्फ्रेंसिंग, ई-मेल, ऑनलाइन फ़ाइल साझा करना आदि।

डिजिटल शिक्षा बी.एड छात्रों के लिए विभिन्न तरह के लाभ प्रदान करती है। इनमें से कुछ मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं:

1. अधिक संपर्क और संचार: डिजिटल शिक्षा बी.एड छात्रों को अधिक संपर्क और संचार के अवसर प्रदान करती है। इंटरनेट के माध्यम से वे अपने शिक्षकों, सहशिक्षकों और अन्य छात्रों से संपर्क कर सकते हैं।
2. अधिक संगठित और उपयोगी शिक्षा: डिजिटल शिक्षा बी.एड छात्रों को अधिक संगठित और उपयोगी शिक्षा प्रदान करती है। इन्टरनेट से वे विभिन्न विषयों पर संदर्भ सामग्री, वीडियो, ऑडियो और अन्य संबंधित सामग्री का उपयोग करके उनकी अधिक समझ व प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।
3. सक्रिय और आकर्षक शिक्षण: डिजिटल शिक्षा बी.एड छात्रों को सक्रिय और आकर्षक शिक्षण का अवसर प्रदान करती है। इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वीडियो, ऑडियो, गेम और अन्य शिक्षण सामग्री का उपयोग करने का अवसर मिलता है
4. डिजिटल शिक्षा छात्रों को अधिक बोलचाल करने वाले होते हैं। यह उन्हें अधिक सहज बनाता है जो उन्हें विद्यालय वातावरण में सीखने में संकोच करते हैं।

5. बीएड में छात्रों को अधिक बोलचाल करना पड़ता हैं। डिजिटल शिक्षा उन्हें अधिक सहज बनाता है जो उन्हें विद्यालय वातावरण में सीखने में संकोच करते हैं।
6. डिजिटल शिक्षा छात्रों के सीखने को बढ़ाती है। अधिकतर छात्र डिजिटल उपकरणों के माध्यम से सीखना पसंद करते हैं, जो उनके विषय में अधिक जानकार होने और समझने में मदद करता है।
7. डिजिटल शिक्षा छात्रों को संचार कौशल में सुधार करती है। इंटरनेट, ईमेल और सोशल मीडिया जैसी तकनीकों का उपयोग उन्हें संचार के साधनों को बेहतर ढंग से समझने और उपयोग करने की क्षमता प्रदान करता है।
8. डिजिटल शिक्षा छात्रों को सूचना तकनीकों की आवश्यकता समझाती है। यह उन्हें उन तकनीकों को समझने और समय के साथ सामान्य तकनीकी समस्याओं का समाधान करने की क्षमता प्रदान करता है

निष्कर्ष

डिजिटल लर्निंग को बीएड छात्रो के लिए एक लचीले विकल्प के रूप में देखते हैं जो उन्हें अपने समय और गति के अनुसार अध्ययन करने की अनुमति देता है। बीएड शिक्षकों को भी तकनीकी के सहयोग से अपनी अध्यापन योजना को बेहतर बनाने में सुविधा होती है, साथ ही नवाचार एवं नए विचारों के समावेशन से वे छात्रों को और अधिक प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित भी कर पाते हैं।

बीएड शिक्षण में तकनीकी के प्रवेश से यह एनीमेशन, गैमिफिकेशन और विस्तृत ऑडियो-विज़ुअल प्रभावों के मिश्रण के साथ और अधिक प्रभावी एवं तेज़ी से ग्रहण करने योग्य हो जाता है।

इसलिये शिक्षण और अधिगम के ऑनलाइन उपाय निश्चित तौर पर प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन ऐसा तभी हो सकता है जब बीएड छात्रों को उचित माध्यम से स्थापित किया जाए, स्पष्ट रूप से इन उपायों को फेस-टू-फेस शिक्षा की पद्धतियों के पूरक, समर्थन और प्रवर्धन के रूप में स्वीकार्य बनाया जाने पर बल दिया जाए, निश्चित रूप से इस संदर्भ में शिक्षक-कक्षा आधारित शिक्षण से डिजिटल-शिक्षा तक के सफर में समय के साथ बहु-आयामी प्रयासों को संलग्नित किये जाने की आवश्यकता है।

बीएड छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षा का सुझाव

बी.एड छात्रों के लिए कुछ डिजिटल शिक्षा संसाधनों के सुझाव

1. कौरसेरा: कौरसेरा एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। बी.एड छात्र शिक्षा, शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकते हैं।
2. edX: edX एक लाभकारी ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों और संस्थानों से पाठ्यक्रम प्रदान करता है। बी.एड छात्र शिक्षा, निर्देशात्मक डिजाइन और शैक्षिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम ले सकते हैं।
3. खान अकादमी: खान अकादमी एक गैर-लाभकारी संगठन है जो गणित, विज्ञान, इतिहास और अन्य सहित विभिन्न विषयों में मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम, पाठ और अभ्यास अभ्यास प्रदान करता है। बीएड छात्र शिक्षा, जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकते हैं।
4. TED-Ed: TED-Ed एक ऐसी वेबसाइट है जो शिक्षा और शिक्षण सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शैक्षिक वीडियो और पाठ प्रदान करती है। B.Ed छात्र TED-Ed वीडियो और शिक्षण तकनीकों, कक्षा प्रबंधन और अन्य संबंधित विषयों पर पाठ सीख सकते हैं।

5. टीचथॉट: टीचथॉट एक ऐसी वेबसाइट है जो शिक्षकों के लिए पाठ योजनाओं, शिक्षण रणनीतियों और शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरणों सहित संसाधनों और लेखों की एक श्रृंखला प्रदान करती है। बी.एड छात्र मूल्यवान संसाधन और अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं
6. Udemy: Udemy एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो शिक्षा और शिक्षण सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। बी.एड छात्र अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए निर्देशात्मक डिजाइन, पाठ्यक्रम विकास और अन्य संबंधित विषयों पर पाठ्यक्रम ढूंढ सकते हैं।
7. यूट्यूब: यूट्यूब शिक्षा और शिक्षण सहित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, ट्यूटोरियल और अन्य संसाधनों सहित शैक्षिक सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। बी.एड छात्र शिक्षण और शिक्षा में अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए YouTube पर मूल्यवान संसाधन पा सकते हैं।

ये डिजिटल शिक्षा संसाधनों के कुछ उदाहरण हैं जिनका बी.एड छात्र शिक्षण और शिक्षा में अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए लाभ उठा सकते हैं।

सन्दर्भ

- Cai, C. टेक्नोलॉजी सेंटरिज़्म के माध्यम से एक नई डिजिटलाइज़्ड दुनिया का निर्माण.
- KHARE, D. M., & VERMA, D. B. (Eds.). (2021). *BHARAT ME SHIKSHA-NETI KI DASHA EVAM DISHA*. SHREE VINAYAK PUBLICATION.
- Kumar, R. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने के पश्चात् शिक्षा क्षेत्र में चुनौतियां*. Insta Publishing.
- Pandey, R., Singh, V. S. S., Pandey, S. S., & Singh, S. A. (2019). *General Studies Paper 1 2020 (Hindi)*. Pearson Education India.
- Singh, R. डिजिटल दुष्प्रचार और संचार में मानवीय आवाज़ की भूमिका: शोध.
- अमनदीप सिंह, & प्रकाश सिंह बराड़. (2023). शूकर पालन पर हिंदी में निशुल्क ओपन ऑनलाइन कोर्स. *खेती*, *75*(11), 9-11.
- खानम, & बीबी रज़ा. (2021). डिजिटल होना: शिक्षक क्षमता विकास. *अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी लर्निंग कर्व*, (3), 52-54.
- राजगोपाल, शोभिता, गुप्ता, & मुक्ता. (2021). राजस्थान के सरकारी स्कूलों में डिजिटल अधिगम. *अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी लर्निंग कर्व*, (3), 98-101.